दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स

मध्य प्रदेश

नवंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **5**

- बुधनी खिलौना महोत्सव 5
- कोविड-19 उपचार एवं प्रबंधन योजना 5
- इंडियन स्किल्स, 2021 रीजनल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश को मिले 3 स्वर्ण पदक 5
- कुरावर बना नया विद्युत उप-संभाग 6
- मध्य प्रदेश उप-चुनाव, 2021 6
- मध्य प्रदेश पर्यटन को मिले तीन अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार 6
- मध्य प्रदेश की शिवानी ने अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती स्पर्धा में जीता रजत पदक 7
- 426 मुख्यमंत्री बाढ़ राहत आवासों का वर्चुअल लोकार्पण 8
- मध्य प्रदेश के चार व्यक्तियों को मिला पद्म श्री 8
- मंत्रिपरिषद की बैठक 8
- मध्य प्रदेश के तीन विभूतियों को पद्म पुरस्कार मिला 9
- मध्य प्रदेश ने एक दिन में फिर बनाया वैक्सीनेशन में रिकॉर्ड 9
- प्रधानमंत्री-स्वनिधि योजना में मध्य प्रदेश देश में प्रथम 10
- 'मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना' का शुभारंभ 10

नोट :

- भारत भवन में 'संस्कृति और प्रकृति' समारोह का शुभारंभ 11
- बीएसएफ के जवानों का डेयर डेविल-शो 11
- देवी प्रसाद शर्मा पुरस्कार 12
- साँची चिकित्सा बीमा योजना 12
- राज्य कैबिनेट ने स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे के लिये 6 अरब से अधिक की मंज़ूरी दी 12
- सेवा-सह-कला प्रदर्शनी 13
- खेल और साहसिक पुरस्कार, 2021 13
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 14
- फिल्म 'उलगुलान-एक क्रांति' डिजिटली रिलीज़ 14
- रानी कमलापति रेलवे स्टेशन 15
- भारत का पहला जनजातीय गौरव दिवस 16
- बकरी दूध विक्रय का शुभारंभ 16
- मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना 17
- राष्ट्रीय तुलसी एवं देवी अहिल्या सम्मान घोषित 17
- पीएम स्वनिधि योजना में मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर 18
- भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के प्रायोरिटी कॉरिडोर के आठ मेट्रो रेल स्टेशनों के निर्माण का भूमि-पूजन 18
- 28वें निमाड़ उत्सव का शुभारंभ 19
- सेकेंड ट्रेंच लेने वाला पहला राज्य बना मध्य प्रदेश 20

नोट :

- हनुवंतिया में जल-महोत्सव 2021-22 का शुभारंभ 20
- इंदौर और भोपाल में लागू होगी पुलिस कमिश्नर प्रणाली 21
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में इंदौर ने पाँचवीं बार लहराया देश में स्वच्छता का परचम 21
- जनजातीय गौरव दिवस सप्ताह का समापन 22
- ऊर्जा साक्षरता अभियान 23
- मत्स्य-उत्पादन के क्षेत्र में बालाघाट का देश में प्रथम स्थान 23
- आईआईएसएफ-2021 कर्टेन रेजर का शुभारंभ 24
- 64वीं राष्ट्रीय शूटिंग (रायफल) चैंपियनशिप-2021 का शुभारंभ 24
- संस्कृति विभाग के प्रतिष्ठित सम्मानों की घोषणा 25
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे -5 में मध्य प्रदेश की उल्लेखनीय प्रगति 26
- मध्यप्रदेश में स्थापित होंगे 1500 मेगावाट के तीन सौर ऊर्जा प्लांट 26
- राज्यस्तरीय तकनीकी समिति पुनर्गठित 27
- मिंटो हॉल का नाम बदलने की घोषणा 27
- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्य प्रदेश मंडप को कांस्य पदक मिला 28
- मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना 28

नोट :

मध्य प्रदेश

बुधनी खिलौना महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

- 1 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बुधनी खिलौना महोत्सव का वर्चुअली शुभारंभ किया गया।

प्रमुख बिंदु

- बुधनी खिलौना महोत्सव का आयोजन 1 से 14 नवंबर, 2021 तक बुधनी के दशहरा मैदान में किया जाएगा।
- गौरतलब है कि बुधनी लकड़ी के खिलौनों के लिये प्रसिद्ध है। ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा बुधनी के काष्ठ शिल्पकारों की बेहतरी एवं बुधनी के खिलौनों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाने के लिये सरकार द्वारा पहल करने की बात कही गई है।
- इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि बुधनी की खिलौना कला को बढ़ावा देने एवं रोज़गार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से बुधनी में खिलौना क्लस्टर का निर्माण किया जाएगा।

कोविड-19 उपचार एवं प्रबंधन योजना

चर्चा में क्यों ?

- 2 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में कोविड-19 उपचार एवं प्रबंधन योजना को स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना में स्वास्थ्य अधो-संरचना उन्नयन, मानव संसाधन प्रबंधन, दवा एवं अन्य उपकरण क्रय, कोविड मरीज़ों का नि:शुल्क उपचार, टेस्टिंग एवं सेम्पलिंग व्यवस्थाएँ, कोविड अनुकूल व्यवहार-जागरूकता एवं प्रचार, कोविड केयर सेंटर संचालन, अस्पतालों का कचरा प्रबंधन, होम आइसोलेशन निगरानी एवं मेडिकल किट वितरण आदि कार्य को शामिल किया गया है।
- योजना के क्रियान्वयन के लिये कुल 480 करोड़ रुपए का प्रस्ताव है, जिसमें से वर्तमान में 75 करोड़ रुपए पुनर्विनियोजन से उपलब्ध हैं।

इंडियन स्किल्स, 2021 रीजनल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश को मिले 3 स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में संपन्न हुई इंडियन स्किल्स, 2021 की रीजनल प्रतियोगिता (वेस्ट ज़ोन) में मध्य प्रदेश ने 3 स्वर्ण एवं एक रजत पदक प्राप्त किया है। प्रतियोगिता गांधीनगर और अहमदाबाद में 29 अक्टूबर, 2021 से 1 नवंबर, 2021 की अवधि में संपन्न हुई।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता में कुकिंग में अवनि पाटिल, बेकरी में संस्कार सिंह तथा वेब टेक्नालॉजी में शुभम प्रजापति ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। ब्रिक्लेइंग में रोहित कुमार कुशवाह ने रजत पदक प्राप्त किया।
- विजेताओं को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल ने प्रशस्ति-पत्र, मेडल एवं नगद राशि से सम्मानित किया।
- इस प्रतियोगिता में गोवा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं गुजरात के 230 प्रतिभागी ने विभिन्न स्किल्स में कौशल प्रदर्शन किया।
- अगले चरण में ये प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली इंडियन स्किल्स, 2021 में अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे।

नोट :

कुरावर बना नया विद्युत उप-संभाग

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने राजगढ़ ज़िले के कुरावर को विद्युत उप-संभाग बनाया है। यह नया उप-संभाग नरसिंहगढ़ संभाग के अंतर्गत मौज़ूदा नरसिंहगढ़ (ओ. एंड एम.) उप-संभाग को पुनर्गठित कर बनाया गया है।

प्रमुख बिंदु

- नए बने कुरावर उप-संभाग में कुरावर, इकलेरा, तलेन, झालड़ा तथा नरसिंहगढ़ (ओ. एंड एम.) उप-संभाग अंतर्गत नरसिंहगढ़ (ग्रामीण), बोड़ा एवं गादिया वितरण केंद्र का कार्य-क्षेत्र शामिल रहेगा।
- कंपनी के प्रबंध संचालक गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि कुरावर को उप-संभाग बनाए जाने से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही उपभोक्ताओं को त्वरित और बेहतर सेवाएँ उपलब्ध होंगी।

मध्य प्रदेश उप-चुनाव, 2021

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मध्य प्रदेश में तीन विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर हुए उप-चुनाव के परिणामों की घोषणा की गई, जिसमें से विधानसभा की 2 सीटें बीजेपी और 1 सीट कॉन्ग्रेस तथा लोकसभा सीट बीजेपी को प्राप्त हुई।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि राज्य में उप-चुनाव के तहत 30 अक्टूबर, 2021 को मतदान हुआ था। इस उप-चुनाव में निर्वाचित सांसद और विधायक निम्नलिखित है-
  - सतना की रैगाँव विधानसभा सीट पर कॉन्ग्रेस की कल्पना वर्मा
  - जोबट विधानसभा सीट पर बीजेपी की सुलोचना रावत
  - पृथ्वीपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी के डॉक्टर शिशुपाल सिंह यादव
  - खंडवा लोकसभा सीट पर बीजेपी के ज्ञानेश्वर पाटिल
- उल्लेखनीय है कि उप-चुनाव एक ऐसा चुनाव है, जो आम चुनावों के दौरान खाली हो गई विधानसभा और लोकसभा सीटों को भरने के लिये उपयोग किया जाता है।

मध्य प्रदेश पर्यटन को मिले तीन अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की ग्रामीण पर्यटन परियोजना को लंदन में वर्ल्ड ट्रैवल मार्ट (डब्ल्यूटीएम) वर्ल्ड रिस्पॉन्सिबल टूरिज़्म अवार्ड-2021 समारोह में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ परियोजना'पुरस्कार सहित तीन पुरस्कार प्रदान किये गए। लंदन में इस समारोह का आयोजन एक से तीन नवंबर तक हुआ।

प्रमुख बिंदु

- अंतर्राष्ट्रीय रिस्पॉन्सिबल टूरिज़्म केंद्र ने 'सर्वश्रेष्ठ परियोजना'का यह पुरस्कार 'कोविड उपरांत सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थल विकास'की श्रेणी में प्रदान किया।
- इसी श्रेणी में मध्य प्रदेश ग्रामीण पर्यटन को ज़ोनल स्तर पर 'स्वर्ण पुरस्कार'भी दिया गया। एक अन्य श्रेणी 'पर्यटन में विविधता'के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की 'महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन'परियोजना की परिकल्पना को श्रेष्ठ परियोजना की मान्यता का पुरस्कार दिया गया।

नोट :

- पर्यटन बोर्ड की ओर से प्रबंध संचालक राज्य पर्यटन विकास निगम एस. विश्वनाथन और उप संचालक टूरिज़्म बोर्ड युवराज पडोले ने पुरस्कार प्राप्त किया।
- वर्ल्ड रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवार्ड-2021 को प्रदान करने के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सभी देशों को चार ज़ोन में विभाजित कर भारत, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप तथा मिडिल ईस्ट में ज़ोनल स्तर पर 'स्वर्ण पुरस्कार'प्रदान किये जाते हैं।'स्वर्ण पुरस्कार'प्राप्त परियोजनाओं में से सर्वश्रेष्ठ परियोजना का चयन कर 'अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार'दिया जाता है, जो वर्ष 2021 के लिये मध्य प्रदेश ग्रामीण पर्यटन को दिया गया।
- ग्रामीण पर्यटन परियोजना में प्रदेश में 100 गाँवों को पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन गाँवों में समुदाय की भागीदारी से पर्यटन गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।
- 'महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल'परियोजना में 50 चयनित पर्यटन स्थलों पर कार्यशील महिलाओं की संख्या में वृद्धि की जाएगी। महिला पर्यटकों के लिये अधो-संरचना विकास, स्थाघ्नीय हितधारकों की क्षमता वृद्धि, समुदाय आधारित संगठनों का निर्माण और महिलाओं के लिये आत्म-सुरक्षा प्रशिक्षण इत्यादि गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाएगा।
- डब्ल्यूटीएम पर्यटन की विश्वस्तरीय संस्था है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रिस्पॉन्सिबल टूरिज़्म केंद्र एक महत्त्वपूर्ण भाग है। अंतर्राष्ट्रीय रिस्पॉन्सिबल टूरिज़्म केंद्र ने 2021 में छह श्रेणियों में अवार्ड की घोषणा की है।
- प्रति वर्ष लंदन में आयोजित होने वाला वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट, लंदन (WTM London), पर्यटन के क्षेत्र का एक बड़ा कार्यक्रम है, जिसमें विश्व भर के टूर, ट्रैवल एवं टूरिज़्म के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाएँ भाग लेती हैं। यह विश्व में एक बड़ा मंच है, जिसमें पर्यटन के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को पहचान मिलती है, साथ ही बाज़ार एवं व्यवसाय को बढ़ाने के अवसर मिलते हैं।

मध्य प्रदेश की शिवानी ने अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती स्पर्धा में जीता रजत पदक

चर्चा में क्यों ?

- 1 से 7 नवंबर, 2021 तक सर्बिया गणराज्य में संपन्न अंतर्राष्ट्रीय महिला कुश्ती चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले के ग्राम उमरेठ की निवासी सुश्री शिवानी ने 50 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता है।

प्रमुख बिंदु

- इस चैंपियनशिप में भारत से 30 खिलाड़ियों और मध्य प्रदेश से एकमात्र खिलाड़ी शिवानी ने हिस्सा लिया था।
- इसके पहले उन्होंने सितंबर माह में अमेठी में संपन्न राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया था।
- अंडर 23 चैंपियनशिप में जगह बनाने वाली मध्य प्रदेश की यह दंगल गर्ल दिल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।
- एम्स भोपाल में ऑक्सीजन जनरेटिंग प्लांट का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 7 नवंबर, 2021 को मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं एम्स, भोपाल के अध्यक्ष प्रो. डॉ. वाई.के. गुप्ता ने एम्स में पीएसए प्लांट (ऑक्सीजन जनरेटिंग प्लांट) का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- सीएसआर स्कीम में यह प्लांट कोल इंडिया की सहायता से स्थापित किया गया है। ऑक्सीजन जनरेटिंग प्लांट वातावरण की हवा से ऑक्सीजन का उत्पादन करता है।
- प्लांट 1000 लीटर क्षमता का है, जो ट्रॉमा सेंटर और इमरजेंसी ब्लॉक को ऑक्सीजन की आपूर्ति करेगा तथा 300 बेड पर मरीज़ इससे लाभान्वित होंगे।
- इस प्लांट से एम्स, भोपाल में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन पर निर्भरता कम होगी। अब एम्स, भोपाल में ऑक्सीजन सिलेंडर, मेनीफोल्ड, 30 केएल का लिक्विड मेडिकल टैंक तथा पीएसए प्लांट और 150 से ज़्यादा ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स जैसे ऑक्सीजन संसाधनों के सभी अलग-अलग तौर-तरीके उपलब्ध होंगे।

नोट :

426 मुख्यमंत्री बाढ़ राहत आवासों का वर्चुअल लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 6 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी तहसील के 40 ग्रामों में मुख्यमंत्री बाढ़ राहत आवास योजना से निर्मित 400 से अधिक आवासों का ग्राम सोमलवाड़ा से शुभारंभ कर हितग्राहियों को वर्चुअल गृह प्रवेश करवाया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि बुधनी के करीब 40 गाँव गत वर्ष बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए थे। इन गाँवों में मुख्यमंत्री राहत आवास योजना में 626 आवास स्वीकृत किये गए थे, जिनमें से 400 से अधिक आवासों का शुभारंभ कर हितग्राहियों को गृह प्रवेश करवाया गया।
- सोमलवाड़ा में हुए गृह प्रवेश कार्यक्रम में अनेकों गाँव वर्चुअली शामिल हुए। प्रत्येक आवास के लिये मुख्यमंत्री राहत के रूप में 95 हज़ार रुपए, शौचालय निर्माण के लिये 17 हज़ार रुपए और मनरेगा से 90 दिन का रोज़गार भी दिया गया था।
- मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर सोमलवाड़ा में मिनी आँगनबाड़ी और स्कूल भवन के निर्माण के साथ नांदमेर से सोमलवाड़ा तक 6 गाँव को जोड़ने वाले मार्ग तथा पुल निर्माण की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि गाँव के उत्पादों और हुनर को अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिये महिलाओं के स्व-सहायता समूह को प्रशिक्षण देने के साथ बैंक से वित्तीय मदद उपलब्ध कराई जाएगी तथा उत्पादों के क्लस्टर बनाकर मार्केट भी उपलब्ध करवाया जाएगा।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ज़िला कलेक्टर को सोमलवाड़ा सहित अन्य सभी गाँवों में महिला स्व-सहायता समूहों को बैंक से ऋण और प्रशिक्षण की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

मध्य प्रदेश के चार व्यक्तियों को मिला पद्म श्री

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने मध्य प्रदेश के 4 व्यक्तियों को वर्ष 2020 के पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- इंदौर के 83 वर्षीय कथक नृत्यागुरु डॉ. पुरुषोत्तम दाधीच को कला (शास्त्रीय नृत्य) के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।
- वहीं भोपाल गैस कांड-1984 के पीड़ितों की लड़ाई लड़ने वाले कार्यकर्त्ता अब्दुल जब्बार को मरणोपरांत पद्म श्री सम्मान दिया गया है।
- उद्योगपति डॉ. नेमनाथ जैन को ट्रेड एवं इंडस्ट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये पद्म श्री सम्मान दिया गया है।
- मध्य प्रदेश के रतलाम निवासी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. लीला जोशी को 82 वर्ष की उम्र में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पद्म श्री सम्मान प्रदान किया गया है। इन्हें मध्य प्रदेश की 'मदर टेरेसा' के नाम से भी जाना जाता है।
- गौरतलब है कि वर्ष 2020 के पद्म पुरस्कारों के लिये कुल 141 लोगों का चयन किया गया था, जिनमें 7 लोगों को पद्म विभूषण, 16 लोगों को पद्म भूषण तथा 118 लोगों को पद्म श्री पुरस्कार के लिये चुना गया था।

मंत्रिपरिषद की बैठक

चर्चा में क्यों ?

- 9 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक हुई, जिसमें कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

प्रमुख बिंदु

- इस बैठक में ज़िला खंडवा में दो नवीन तहसील किल्लौद एवं मूंदी, ज़िला टीकमगढ़ में एक नवीन तहसील दिगौड़ा और ज़िला बुरहानपुर में एक नवीन तहसील धूलकोट के गठन का अनुसमर्थन किया गया।

नोट :

- मंत्रिपरिषद द्वारा नीमच नगर में नगर पालिका स्वामित्व के महू-नसीराबाद रोड पर कनावटी के समीप 97,452 वर्ग मीटर भूमि के उपयोग को आवासीय से 'सार्वजनिक एवं अर्द्ध-सार्वजनिक' में उपांतरित किये जाने की शर्त पर चिकित्सा शिक्षा विभाग को मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिये आवंटित किये जाने की अनुमति प्रदान की गई।
- मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में 11 नवीन शासकीय महाविद्यालय प्रारंभ करने का अनुमोदन किया गया। इनमें शासकीय महाविद्यालय उदयनगर (ज़िला- देवास), शा. महाविद्यालय रैगाँव (ज़िला- सतना), शासकीय महाविद्यालय घुवारा (ज़िला- छतरपुर), शासकीय महाविद्यालय पिछोर (ज़िला- ग्वालियर), शासकीय महाविद्यालय जैसीनगर (ज़िला- सागर), शासकीय महाविद्यालय गोरमी (ज़िला- भिंड), शासकीय महाविद्यालय रजौधा (ज़िला- मुरैना), शासकीय महाविद्यालय अनूपपुर (ज़िला- अनूपपुर), शासकीय महाविद्यालय दिमनी (ज़िला- मुरैना), शासकीय महाविद्यालय रिठौराकलॉ (ज़िला- मुरैना) और शासकीय महाविद्यालय दिनारा (ज़िला- मुरैना) सम्मिलित हैं।
- पूर्व से संचालित पाँच शासकीय महाविद्यालय में नवीन विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय प्रारंभ करने और एक शासकीय महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर तीन नवीन विषय प्रारंभ करने के लिये स्वीकृति दी गई।
- मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश के अनुसार 'छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा' का नाम 'राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा' किये जाने के प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद द्वारा मान्य किया गया। अध्यादेश को आगामी विधानसभा-सत्र में विधेयक के रूप में पारित कराने के लिये उच्च शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा भोपाल स्थित क्षय रोग चिकित्सालय का उन्नयन रीजनल इंस्टीट्यूट फॉर रेस्पिरेटरी डिजीज़ में किये जाने के लिये स्वीकृति प्रदान दी गई।

मध्य प्रदेश के तीन विभूतियों को पद्म पुरस्कार मिला

चर्चा में क्यों ?

- 9 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के तीन विभूतियों को वर्ष 2021 के लिये पद्म पुरस्कार प्रदान किये।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वर्ष 2021 के लिये पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन को पद्मभूषण, भोपाल के कपिल तिवारी तथा जनजातीय चित्रकार भूरी बाई को पद्मश्री से सम्मानित किया।
- पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन को सार्वजनिक क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये पद्म भूषण 2021 से सम्मानित किया गया है। ये 16वीं लोकसभा की स्पीकर रही तथा भारत की पहली महिला हैं, जो लगातार 8 बार सांसद रही।
- भोपाल के कपिल तिवारी का जनजातीय संस्कृति में रामायण आधारित कला के प्रकटीकरण के क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है। प्रदेश की लोक कलाओं को सहेजने और उनके संवर्द्धन में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- झाबुआ की जनजातीय चित्रकार भूरी बाई अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भील चित्रकार हैं।
- उल्लेखनीय है कि 8 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा वर्ष 2020 के लिये पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। साथ ही भोपाल के अब्दुल जब्बार खान (मरणोपरांत), इंदौर के पुरुषोत्तम दाधीच एवं नेमनाथ जैन और रतलाम की डॉ. सुश्री लीला जोशी को पद्मश्री से विभूषित किया गया था।

मध्य प्रदेश ने एक दिन में फिर बनाया वैक्सीनेशन में रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

- 10 नवंबर, 2021 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश में शत-प्रतिशत कोविड-19 टीकाकरण के लिये चलाए जा रहे महाअभियान में रात्रि 9 बजे तक 13 लाख 52 हज़ार टीके लगाए गए, जो देश में हुए कोविड टीकाकरण में सर्वाधिक हैं।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि राज्य में दिसंबर 2021 तक प्रदेश के शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को कोविड वैक्सीन की दोनों डोज़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये 10, 17 और 24 नवंबर एवं एक दिसंबर को कोविड टीकाकरण महाअभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 10 नवंबर को कोविड टीकाकरण महाअभियान-5 संचालित किया गया।
- इस महाअभियान में प्रदेश में 11 हज़ार 159 टीकाकरण केंद्रों पर वैक्सीन लगाने की सभी व्यवस्थाएँ की गई थीं।
- महाअभियान को सफल बनाने के लिये विशेष रणनीति बनाई गई है मुख्यमंत्री के आग्रह पर जन-प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों, जन-अभियान परिषद के कार्यकर्त्ताओं ने लोगों को कोरोना वैक्सीन लगवाने हेतु टीकाकरण केंद्र जाने के लिये प्रेरित किया।
- इसी प्रकार स्कूली और महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं, एनसीसी और एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने कोरोना टीकाकरण के लिये परिजनों को प्रेरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री-स्वनिधि योजना में मध्य प्रदेश देश में प्रथम

चर्चा में क्यों ?

- 10 नवंबर, 2021 को मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री-स्वनिधि योजना में मध्य प्रदेश ने केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021-22 के लिये दिये गए लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- उन्होंने बताया कि योजना में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 4 लाख 5 हज़ार पथ-विक्रेताओं को लाभान्वित किया जा चुका है।
- उल्लेखनीय है कि कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था में विशेषरूप से पथ-विक्रेताओं का बुरा हाल था। इन्हें पुन: अपना रोज़गार स्थापित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 जुलाई, 2020 को पीएम-स्वनिधि योजना शुरू की गई थी। इसमें पथ-विक्रेताओं को ब्याज मुक्त 10 हज़ार रुपए का ऋण दिया जाता है।
- योजना में 10 हज़ार रुपए के ऋण को अदा करने वाले पथ-विक्रेताओं को द्वितीय चरण में 20 हज़ार और फिर 50 हज़ार रुपए का ऋण स्वीकृत किये जाने का प्रावधान है। द्वितीय चरण के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश देश में अव्वल है।

'मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पृथ्वीपुर (निवाड़ी) से मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना की शुरुआत की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पृथ्वीपुर में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे घर, जिनमें एक से अधिक परिवार निवासरत् हैं और यदि उनके पास रहने का कोई भू-खंड नहीं है तो उन्हें सरकार द्वारा नि:शुल्क प्लॉट उपलब्ध कराया जाएगा।
- इसके अलावा इस योजना के माध्यम से प्रदान किये गए प्लॉट पर बैंकों से कर्ज़ की प्राप्ति भी की जा सकेगी, जिससे कि प्रदेश के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।
- इस योजना के माध्यम से प्रदेश के नागरिक न्यूनतम मूलभूत आवश्यकताओं के साथ सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकेंगे। प्रत्येक नागरिक अपना खुद का घर प्राप्त कर सकेगा।

नोट :

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना' के 5 हितग्राहीयों भू-अधिकारपत्र प्रदान किये। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 30 अक्टूबर, 2021 को इस योजना की घोषणा की थी।
- मुख्यमंत्री ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के 13 हज़ार 397 हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किये और 6 करोड़ 68 लाख 43 हज़ार रुपए की लागत वाले 223 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 34 करोड़ रुपए की लागत के 23 कार्यों का भूमि-पूजन किया।

भारत भवन में 'संस्कृति और प्रकृति' समारोह का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को प्रमुख सचिव, संस्कृति और पर्यटन एवं भारत भवन के न्यासी सचिव शिव शेखर शुक्ला तथा प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायिका कौशिकी चक्रबर्ती ने दीप प्रज्वलित कर आठदिवसीय समारोह 'संस्कृति और प्रकृति' का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- सचिव शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मानव सभ्यता की वाहक भारतीय संस्कृति सदैव प्रकृति के साथ सामंजस्य और सह-अस्तित्व की संस्कृति रही है। कोविड-19 के संकटकालीन समय मे इसकी प्रासंगिकता अधिक बढ़ी है। इसे ध्यान में रखकर प्रकृति और संस्कृति के अंतरसंबंधों पर आधारित यह सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया है।
- भारत भवन में समारोह के पहले दिन संयोजक प्रवीण शेवलीकर और साथियों ने वायलिन सप्तक की संगीतमय प्रस्तुति दी। इसके बाद शास्त्रीय संगीत गायिका कौशिकी चक्रबर्ती ने क्लासिकल गायकी से समा बांध दिया। हारमोनियम, वीणा और तबला की थाप पर ख्याल और ठुमरी गायन का उत्कृष्ट नमूना पेश किया।
- भारत भवन द्वारा पहली बार समारोह का लाइव प्रसारण किया जा रहा है। संगीत और कला प्रेमी भारत भवन के यूट्यूब पेज और फेसबुक पेज पर आयोजन का लुत्फ उठा सकते हैं।
- समारोह के दौरान परंपरागत चित्रांकन शिविर और जनजातीय चित्र कृतियों की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी में 24 कलाकारों की 28 पेंटिंग्स लगाई गई हैं। यह प्रदर्शनी 21 नवंबर तक दर्शकों के लिये खुली रहेगी।

बीएसएफ के जवानों का डेयर डेविल-शो

चर्चा में क्यों ?

- 12 नवंबर, 2021 को आज़ादी के अमृत महोत्सव पर मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, भोपाल में बीएसएफ के 52 सदस्यीय दल ने निरीक्षक अवधेश कुमार के नेतृत्व में मोटर-साइकिल पर हैरतअंगेज डेयर डेविल-शो का प्रदर्शन किया।

प्रमुख बिंदु

- गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भोपाल में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की जाँबाज़ टीम के डेयर डेविल-शो को प्रत्यक्ष देखना अद्भुत और अविस्मरणीय पल बताया। उन्होंने कार्यक्रम में टीम लीडर अवधेश कुमार को सम्मानित किया।
- समारोह में बीएसएफ के बैंड ने देशभक्ति की धुनों पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ भी दीं। समारोह में पुलिस महानिरीक्षक विवेक जौहरी, डीआईजी बीएसएफ कोरापुट, कमांडेंट 151वीं वाहिनी के जवानों के साथ अन्य आला अधिकारी मौजूद थे।
- समारोह में बीएसएफ के दल द्वारा फ्लैग मार्च, जाँबाज़ सेल्यूट, ऐरो पोजीशन, रोप राइडिंग, सीट राइडिंग स्टेंडिंग, लेडर विथ जम्प, रेस्टिंग ऑन सीट राइडिंग, फ्यूल टैंक राइडिंग, फोर मेन राइडिंग, फिश राइडिंग, महाशक्तिमान, लेग गार्ड, शीर्षासन, नेक राइडिंग, फुट रेस्ट राइडिंग, बेक राइडिंग सिटिंग, बेक राइडिंग लेडर, टी-पोजीशन, साइड राइडिंग, टेल लाइट राइडिंग, लेडर डबल, बेक फुट राइडिंग, बेक राइडिंग स्टेंडिंग, फाइव मेन राइडिंग, चेस्ट जम्प, बेक राइडिंग डबल, फुट रेस्ट सेल्यूट, म्यूजिकल राइड और फायर जम्प राइड का प्रदर्शन किया गया।

नोट :

देवी प्रसाद शर्मा पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 12 नवंबर, 2021 को मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) और सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में पदस्थ दफ्तरी राजकुमार पटेल को वर्ष 2019-20 का देवी प्रसाद शर्मा पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- इस पुरस्कार के लिये मंत्रालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का चयन कार्य के प्रति निष्ठा, समय की पाबंदी, उपस्थिति, लगनशीलता और उत्कृष्टता के आधार पर कमेटी द्वारा किया जाता है।
- पुरस्कारस्वरूप एक लाख रुपए का चेक और प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। ज्ञातव्य है कि देवी प्रसाद शर्मा राज्यस्तरीय पुरस्कार वर्ष 2017 को प्रारंभ किया गया था।
- मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि पुरस्कार योजना से सभी कर्मचारी-साथियों में काम के प्रति निष्ठा और समय पर काम करने के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिलेगा। सबके मन में यह भाव रहेगा कि जितना ज़्यादा अच्छा काम करेंगे, उतना अधिक सम्मान मिलेगा।
- अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन) विनोद कुमार ने कहा कि पुरस्कार सभी को अपने कार्य तल्लीनता से करने की प्रेरणा और प्रोत्साहन देता है। पुरस्कार मिलने से उत्कृष्ट कार्य करने की प्रतिस्पर्धा विकसित होती है। इससे सभी अपने कार्य में अपना सौ प्रतिशत योगदान देने का प्रयास करते हैं।

साँची चिकित्सा बीमा योजना

चर्चा में क्यों ?

- 12 नवंबर, 2021 को मध्य प्रदेश को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन द्वारा दुग्ध समितियों के सदस्यों और उनके परिवार के लिये साँची चिकित्सा सहायता बीमा योजना स्वीकृत की गई है।

प्रमुख बिंदु

- योजना में दुग्ध प्रदायक सदस्यों और उनके आश्रित परिजनों को सामान्य बीमारी के उपचार हेतु एक लाख रुपए और गंभीर बीमारियों के लिये 2 लाख रुपए प्रति परिवार प्रतिवर्ष बीमा राशि का प्रावधान है।
- बीमा राशि का भुगतान न्यू इंडिया इंश्योरेंश कंपनी द्वारा किया जाएगा। योजना में दुग्ध प्रदायक सदस्यों एवं उन पर आश्रित 3 परिजनों को लाभान्वित किया जाएगा। परिजनों में पति या पत्नी और 3 माह से 25 वर्ष तक की आयु के 2 बच्चे शामिल हैं।

राज्य कैबिनेट ने स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे के लिये 6 अरब से अधिक की मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों ?

- 12 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कोविड 19 महामारी के मद्देनज़र राज्य के स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे में सुधार के लिये छह अरब 90 करोड़ रुपए के बजट को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- प्रस्तावित बजटीय योजना वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये केंद्र सरकार के तहत है, जिसे कोविड-19 प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज के चरण दो के रूप में जाना जाता है।
- इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों को बुनियादी ढाँचा योजनाओं के मामले में प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें कोविड-19 के लिये परीक्षण सुविधाएँ, बाल चिकित्सा वार्ड, स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन और पसंद शामिल हैं।

नोट :

- इसके साथ ही मंत्रिपरिषद ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा नौवीं और दसवीं के सभी विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की पुस्तकें नि:शुल्क देने का निर्णय लिया। इसके अलावा, कैबिनेट ने कक्षा आठ से आगे के छात्रों को साइकिल प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। पहले सरकार छात्रों के बैंक खाते में राशि ट्रांसफर करती थी, ताकि वे अपनी पसंद की साइकिल खरीद सकें। साइकिल की खरीद के लिये सरकार अब टेंडर आमंत्रित करेगी और उसका वितरण किया जाएगा।
- मंत्रिपरिषद ने सोना सोबरन योजनांतर्गत बीपीएल एवं अंत्योदय वर्ग के लोगों के बीच वितरण हेतु साड़ी एवं धोती की खरीद हेतु मफतलाल इंडस्ट्रीज़ को शामिल करने का निर्णय लिया। सरकार ने अगले छह महीनों के लिये कपड़े की खरीद हेतु मफतलाल इंडस्ट्रीज़ को शामिल करने के मानदंडों में ढील दी है।
- मंत्रिपरिषद ने विधवाओं के लिये सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पेंशन में संशोधन करते हुए निर्णय लिया कि केवल वही लोग योजना से बाहर होंगे, जो आयकर का भुगतान करते हैं या सरकारी उपक्रम में कार्यरत् थे।

सेवा-सह-कला प्रदर्शनी

चर्चा में क्यों ?

- 12 नवंबर, 2021 को झारखंड उच्च न्यायालय और झारखंड राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (झालसा) ने अखिल भारतीय कानूनी जागरूकता और आउटरीच अभियान के तहत उच्च न्यायालय के व्हाइट हॉल में एकदिवसीय राज्यस्तरीय कानूनी सेवा और कला प्रदर्शनी का आयोजन किया।

प्रमुख बिंदु

- प्रदर्शनी का उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और झारखंड उच्च न्यायालय कानूनी सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने किया।
- राज्य विधिक सेवा एवं प्रदर्शनी का आयोजन झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति डॉ. रवि रंजन तथा झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह के निर्देश और मार्गदर्शन में किया गया।
- न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण का मुख्य फोकस समाज के हाशिये पर रहने वाले वर्ग के बीच कानूनी जागरूकता पैदा करना और अधिवक्ताओं के पैनल के माध्यम से कानूनी सहायता प्रदान करके समाज के इन वर्गों की सहायता करना है।
- गौरतलब है कि कोविड महामारी के दौरान झालसा ने राज्य की राजधानी और ज़िलों में अन्य इकाइयों में एक केंद्रीय 'वॉर रूम' भी स्थापित किया था, जो संकट में फंसे लोगों की मदद करता था, मुख्य रूप से जिन्हें कोविड से संबंधित सहायता की आवश्यकता होती थी।
- झालसा के सदस्य सचिव मोहम्मद शाकिर ने कहा कि प्रदर्शनी में चित्रमय प्रतिनिधित्व वाले राष्ट्रीय कानूनी सहायता के विभिन्न हेल्पलाइन नंबर भी प्रदर्शित किये गए। इसके साथ ही बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल, राँची, कम्युनिकेशन होम, राँची, यूनिसेफ, राँची, एल्डर हेल्प लाइन, चाइल्डलाइन, राँची आदि द्वारा भी स्टॉल लगाए गए।
- इस प्रदर्शनी में विभिन्न स्टालों के माध्यम से विधिक सेवा क्षेत्र में किये गए कार्यों की जानकारी लोगों को दी गई, साथ ही कानून की जानकारी के लिये तैयार सामग्री का वितरण भी किया गया।

खेल और साहसिक पुरस्कार, 2021

चर्चा में क्यों ?

- 13 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में खेल और साहसिक पुरस्कार-2021 वितरण किये, जिनमें मध्य प्रदेश के हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद को अर्जुन पुरस्कार-2021 से सम्मानित किया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- यह पुरस्कार विवेक सागर प्रसाद को हॉकी खेल विधा में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करने के लिये दिया गया है।
- फरवरी, 2000 में इटारसी में जन्मे विवेक सागर प्रसाद हॉकी खेल विधा के सर्वाधिक उत्कृष्ट खिलाड़ियों में से एक हैं। इन्होंने टोक्यो ओलंपिक, 2020 में कांस्य पदक जीता था।
- वर्ष 1961 में स्थापित अर्जुन पुरस्कार उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने पिछले चार वर्षों में लगातार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो, साथ ही उनमें नेतृत्व, खेल भावना तथा अनुशासन की भावना के गुण भी होने चाहियें। पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता को एक प्रतिमा, प्रमाणपत्र, समारोह की पोशाक तथा 15.00 लाख रुपए नगद दिये जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

चर्चा में क्यों ?

- 14 नवंबर, 2021 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर-2021 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल एवं सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने मध्य प्रदेश पेवेलियन का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस पवेलियन में सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम, एमपी पर्यटन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, लघु उद्योग निगम, मृगनयनी एंपोरियम, कृषि एवं किसान कल्याण, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने भाग लिया अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया।
- प्रमुख उत्पादों में सीधी ज़िले का कोदो-कुटकी और पंजा दरी, टीकमगढ़ के पीतल के उत्पाद, शिवपुरी की कपड़े की जैकेट, भोपाल के हस्तकला उत्पाद, रतलामी सेंव के साथ मृगनयनी एंपोरियम द्वारा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही कृषि आधारित एक स्टार्टअप Inventohack ने भी प्रदर्शनी में भाग लिया।
- ज्ञातव्य है कि प्रति वर्ष प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14 से 27 नवंबर तक यह मेला आयोजित किया जाता है। इस मेले में अन्य देशों के अलावा विभिन्न राज्य, केंद्रशासित प्रदेश, भारत शासन के मंत्रालय द्वारा भाग लिया जाता है।
- देश की आज़ादी के 75 वर्ष में 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' पर आयोजित 40वाँ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2021 आत्मनिर्भर भारत की थीम पर केंद्रित है। इस आयोजन से देश में निवेश और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

फिल्म 'उलगुलान-एक क्रांति' डिजिटली रिलीज़

चर्चा में क्यों ?

- 13 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनसंपर्क विभाग के पोर्टल पर 'उलगुलान-एक क्रांति' फीचर फिल्म को डिजिटली रिलीज़ किया।

प्रमुख बिंदु

- यह फिल्म भगवान बिरसा मुंडा के कर्म क्षेत्र खूंटी, झारखंड में शूट की गई है। मध्य प्रदेश पहला राज्य है, जो इस फिल्म को डिजिटली रिलीज कर रहा है। फिल्म के लेखक पँ भूषण एवं पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा हैं।
- फिल्म के निर्माता-निर्देशक अशोक शरण ने बताया कि बिरसा मुंडा ने 24-25 दिसंबर, 1898 को पहले उलगुलान, यानी क्रांति की घोषणा की थी। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित फीचर फिल्म 'उलगुलान-एक क्रांति' 35 एमएम सिनेमा स्कोप डॉल्बी डिजिटल साउंड में बनी है। फिल्म में बॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकारों ने अभिनय किया है।
- ज्ञातव्य है कि बिरसा मुंडा का जन्म वर्ष 1875 में झारखंड के उलिहतू, खूंटी में हुआ था। बिरसा मुंडा ने भारत की आज़ादी और जनजातीय धर्म, संस्कृति की रक्षा के लिये लड़ाई लड़ी थी।

नोट :

- 9 जनवरी, 1899 को उनके नेतृत्व में सयिलरकब, खूंटी के पहाड़ों पर अंग्रेज़ों के साथ लड़ाई हुई थी। उसके बाद बिरसा मुंडा को गिरफ्तार करने के लिये उस वक्त 500 रुपए का ईनाम रखा गया था पैसे के लोभ में वहीं के सात लोगों ने जंगल में सोते हुए बिरसा मुंडा को गिरफ्तार कर अंग्रेज़ों के हवाले कर दिया था।
- 9 जून, 1900 को इनकी मृत्यु राँची केंद्रीय कारागृह में अंग्रेज़ों द्वारा ज़हर देने से हो गई। बिरसा मुंडा 25 वर्ष की आयु भी पूरी नहीं कर पाए थे। बिरसा मुंडा के त्याग और जल-जंगल-ज़मीन की रक्षा के संकल्प के परिणामस्वरूप उन्हें भगवान माना गया।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन

चर्चा में क्यों ?

- 15 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में पुनर्विकसित विश्वस्तरीय रानी कमलापति (पूर्व में हबीबगंज) रेलवे स्टेशन का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन देश का पहला आईएसओ सर्टिफाइड एवं पीपीपी मॉडल पर विकसित रेलवे स्टेशन है। यह स्टेशन प्रदेश का प्रथम और देश का दूसरा विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन है।
- इस दौरान भारतीय रेलवे द्वारा विकसित की गई परियोजनाओं पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फिल्म में स्टेशन पर मिलने अत्याधुनिक सुविधाओं के बारे में बताया गया।
- रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को पीपीपी मॉडल पर पुनर्विकसित किया गया है। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 450 करोड़ रुपए है। यह रेलवे स्टेशन सार्वजनिक-निजी साझेदारी के तहत बना देश का पहला मॉडल स्टेशन है।
- इस रेलवे स्टेशन पर एयर कॉनकोर बनाया गया है, जिसमें 700 यात्री एक साथ बैठकर ट्रेन का इंतज़ार कर सकते हैं। सभी पाँच प्लेटफॉर्म को इस कॉनकोर से एस्केलेटर और सीढ़ियों के ज़रिये जोड़ा गया है। ट्रेनों से आने वाले करीब 1500 यात्री एक साथ स्टेशन के अंडरग्राउंड सब-वे से गुज़र सकेंगे। स्टेशन में ऐसे दो सब-वे बनाए गए हैं, जिनके द्वारा भीड़ के दबाव को भी कम किया जा सकेगा।
- रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर फूड रेस्टोरेंट, एसी वेटिंग रूम से लेकर रिटायरिंग रूम और डॉरमेट्री समेत वीआईपी लाउंज भी बनाया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर लगभग 160 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं, जो स्टेशन के अंदर और बाहर 24 घंटे नज़र रखेंगे।
- प्रधानमंत्री ने इस मौके पर रेलवे की चार परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित कीं। इनमें गेज परिवर्तित एवं विद्युतीकृत उज्जैन-फतेहाबाद, चन्द्रावतीगंज ब्राडगेज रेलखंड, भोपाल-बरखेड़ा रेलखंड का तिहरीकरण, गेज परिवर्तित एवं विद्युतीकृत मथैला निमारखेड़ी ब्राडगेज रेल खंड एवं विद्युतीकृत गुना-ग्वालियर रेलखंड परियोजनाएँ शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने दो मेमू ट्रेनों उज्जैन-इंदौर एवं इंदौर-उज्जैन को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर भी रवाना किया।
- इन परियोजनाओं के शुभारंभ से रेलवे पर दवाब कम होगा एवं आमजनों को बेहतर सुविधाएँ मिल सकेंगी। भारतीय रेल सिर्फ दूरियों को कनेक्ट करने का माध्यम नहीं है, बल्कि ये देश की संस्कृति, देश के पर्यटन और तीर्थाटन को कनेक्ट करने का भी अहम माध्यम बन रहा है।
- इन परियोजनाओं से पर्यटकों के लिये अच्छी कनेक्टेविटी मिल सकेगी। महाकाल के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं एवं अप-डाउन करने वाले हज़ारों यात्रियों, व्यापारियों और किसानों को परियोजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा।
- ज्ञातव्य है कि रानी कमलापति एक गोंड रानी थीं जिनका विवाह गिन्नौरगढ़ के राजा के साथ हुआ था। उन्हें गोंड राजवंश की अंतिम हिन्दू रानी माना जाता है।

नोट :

भारत का पहला जनजातीय गौरव दिवस

चर्चा में क्यों ?

- 15 नवंबर, 2021 को जंबूरी मैदान भोपाल में देश का पहला जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर जनजातीय कल्याण की विभिन्न योजनाओं की शुरूआत की।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि हाल ही में भारत सरकार ने फैसला किया है कि पूरे देश में 15 नवंबर को हर वर्ष मनाई जाने वाली गांधी-पटेल-अंबेडकर जयंती की तरह ही वृहद पैमाने पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा तथा जनजातीय समाज के योगदान को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने 'राशन आपके ग्राम' योजना का शुभारंभ करते हुए डिंडोरी के अनिल तथा मंडला के लक्ष्मीनारायण को राशन वाहनों की चाबी सौंपी। इस योजना में राशन गाँव- मजरे, टोलों, फलियों में पहुँचाया जाएगा।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सिकल सेल रोग उन्मूलन मिशन का शुभारंभ करते हुए झाबुआ की हशीला, अलीराजपुर की सीना डुडवे तथा झाबुआ के मनीष सिंह सिकरवार को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान किये।
- प्रधानमंत्री के सम्मुख राशन आपके ग्राम योजना, मध्य प्रदेश सिकलसेल मिशन और प्रदेश में टीकाकरण उपलब्धि तथा शत-प्रतिशत कोविड-19 वेक्सीनेशन उपलब्धि वाले जनजातीय बहुल ग्राम नरसिंहरूंडा ज़िला झाबुआ पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।
- प्रधानमंत्री ने 50 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का वर्चुअल भूमि पूजन और रतलाम ज़िले के बाजना में बने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का लोकार्पण किया।
- गौरतलब है कि भगवान बिरसा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को हुआ था। 19वीं सदी में उन्होंने ब्रिटिश राज द्वारा थोपी गई सामंती व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया था। इस आंदोलन को उलगुलान (संपूर्ण क्रांति) नाम दिया गया था। भगवान बिरसा ने आदिवासियों को संगठित किया और अंग्रेजों को कर, ब्याज आदि देने से मना कर दिया था।
- वर्ष 1900 के जून महीने में बिरसा मुंडा का रांची के कारावास में निधन हो गया था। आदिवासियों के साथ हो रहे भेदभाव के खिलाफ भगवान बिरसा के संघर्ष के कारण ही वर्ष 1908 में अंग्रेजी शासन ने छोटानागपुर क्षेत्र में काश्तकारी अधिनियम पारित किया गया था।

बकरी दूध विक्रय का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मध्य प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने जनजातीय गौरव दिवस से बड़वानी के राज्यस्तरीय कार्यक्रम के दौरान बकरी दूध विक्रय का प्रदेश में शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- बकरी दूध विक्रय की शुरुआत जबलपुर और इंदौर के जनजाति बहुल ज़िलों से एकत्र दूध से की गई है। इंदौर संभाग के धार, झाबुआ, बड़वानी और जबलपुर संभाग के सिवनी, बालाघाट ज़िलों की जनजातियों से 50 से 70 रुपए प्रति किलो की दर से बकरी का दूध इंदौर एवं जबलपुर दुग्ध संघ द्वारा खरीदा जा रहा है।
- गौरतलब है कि बकरी का दूध पौष्टिक खनिज तत्त्वों से भरपूर होता है। कार्बोहाईड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, तांबा, ज़िंक आदि का उत्तम स्रोत होने से यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है।
- इसमें वसा के कण अन्य दूध की तुलना में छोटे होने से जल्दी एवं आसानी से पच जाता है। दैनिक अनुसंशित मूल्य का 33 प्रतिशत कैल्शियम शरीर को प्रदाय कर हडिड्यों के घनत्व को बढ़ाता है।
- बकरी के दूध में मध्यम श्रेणी का फैटी एसिड होने से यह शरीर को अधिक ऊर्जा देने के बावजूद चर्बी के रूप में जमा नहीं होता। इससे वज़न नियंत्रित रहता है। आँतों के विकार और कोरोनरी रोग के इलाज में भी सहायक है।

नोट :

- बकरी का दूध शरीर में अच्छे कोलेस्टॉल के स्तर को बढ़ाकर खराब कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर नियंत्रित करता।
- बकरी का दूध चयापचय (मेटाबॉलिक) एजेंट होने से कॉपर और आयरन को भी मेटाबोलास कर सकता है। पाचन और कब्ज की समस्या तथा सूजन दूर करने में भी सहायक है। बकरी के दूध में उपलब्ध वसा एवं ट्राइग्लिसराइड्स मानव त्वचा में निखार लाते हैं। त्वचा को नर्म एवं स्वस्थ रखता है। इसमें मौजूद विटामिन-A चेहरे के कील-मुँहासे को दूर कर रंग में निखार लाता है।
- बकरी का दूध रक्त में प्लेटलेट्स को नियंत्रित कर डेंगू से सुरक्षा करता है। लेक्टोज इन्टोलरेंट लोगों के लिये बकरी का दूध एक अच्छा विकल्प है। जिन लोगों को दुग्ध शर्करा से एलर्जी है, उनके लिये बकरी का दूध अच्छा विकल्प है। बकरी के दूध में अधिकतर A&2 (Casien) नामक प्रोटीन होता है, जो एलर्जिक नहीं होता और कोलाइटिस, चिड़चिड़ापन एवं आंतों के सिंड्रोम आदि से सुरक्षा प्रदान करता है। बकरी का दूध अस्थिक्षय को भी रोकता है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना

चर्चा में क्यों ?

- 16 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के शिक्षित युवाओं को स्व-रोज़गार से जोड़ने के लिये 'मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना' शुरू करने की मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना का लाभ मध्य प्रदेश के 18 से 40 वर्ष अवस्था तक के न्यूनतम 12वीं कक्षा पास युवाओं को प्राप्त होगा।
- इस योजना में विनिर्माण इकाई के लिये एक लाख से 50 लाख रुपए तक की परियोजनाएँ तथा सेवा इकाई अथवा खुदरा व्यवसाय के लिये एक लाख से 25 लाख रुपए तक की परियोजनाएँ मान्य की जाएगी।
- राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के रूप में वितरित ऋण पर तीन प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज़ अनुदान तथा ऋण गारंटी शुल्क प्रचलित दर से हितग्राही को अधिकतम 7 वर्षों तक दिया जाएगा।
- इस योजना का क्रियान्वयन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। इस योजना के माध्यम से उद्योग, सेवा या व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को बैंकों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण प्राप्त होगा। साथ ही बैंक ऋण के लिये कोई कोलेट्रल सिक्यूरिटी भी नहीं देनी पड़ेगी।

राष्ट्रीय तुलसी एवं देवी अहिल्या सम्मान घोषित

चर्चा में क्यों ?

- 17 नवंबर, 2021 को मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग ने वर्ष 2017 से 2020 तक के राष्ट्रीय तुलसी सम्मान और 2019 एवं 2020 के राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान घोषित कर दिये हैं। सम्मानित होने वाले कलाकारों का अलंकरण महेश्वर में 19 नवंबर से आरंभ होने वाले निमाड़ उत्सव के शुभारंभ अवसर पर पर्यटन, संस्कृति और अध्यात्म मंत्री ऊषा ठाकुर द्वारा किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय तुलसी सम्मान से सम्मानित होने वाले कलाकारों में वर्ष 2017 का सम्मान जयपुर के सुप्रतिष्ठित चित्रकार कैलाश चंद शर्मा को, वर्ष 2018 का सम्मान छत्तीसगढ़ के राजनांदगाँव ज़िले के सुप्रतिष्ठित बाँसुरी वादक विक्रम यादव को, वर्ष 2019 का सम्मान छत्तीसगढ़ के रायपुर ज़िले के ख्यात कबीर गायक डॉ. भारती बंधु को तथा वर्ष 2020 का सम्मान प्रतिष्ठित जनजातीय कलाकार तिलकराम पेंद्राम को प्रदान किया जाएगा।
- राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान से सम्मानित होने वाले कलाकारों में वर्ष 2019 का यह प्रतिष्ठित सम्मान मंडला की जनजातीय कलाकार शांति बाई मरावी को तथा वर्ष 2020 का सम्मान लखनऊ की अवधी, भोजपुरी एवं बंदेलखंडी शैली की सुविख्यात लोक गायिका मालिनी अवस्थी को प्रदान किया जाएगा।

नोट :

- राष्ट्रीय तुलसी एवं देवी अहिल्या सम्मान से सम्मानित होने वाले कलाकारों को सम्मान स्वरूप 2 लाख की सम्मान राशि, सम्मान पट्टिका एवं शॉल-श्रीफल प्रदान किया जाता है।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष जनजातीय, लोक एवं पारंपरिक कलाओं में उत्कृष्टता और श्रेष्ठ उपलब्धि को सम्मानित करने के लिये वार्षिक राष्ट्रीय तुलसी सम्मान की स्थापना वर्ष 1983 में की गई थी जो केवल पुरुष कलाकार को प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय तुलसी सम्मान तीन वर्ष में दो बार प्रदर्शनकारी कलाओं और एक बार रूपंकर कलाओं के लिये दिया जाता है।
- इसी प्रकार जनजातीय, लोक एवं पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में महिला कलाकार को सम्मानित करने के लिये राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान की स्थापना विभाग द्वारा वर्ष 1996 में की गई थी।

पीएम स्वनिधि योजना में मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर

चर्चा में क्यों ?

- 18 नवंबर, 2021 को नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में 101.60 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित कर मध्य प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय आवास और शहरी मंत्रालय द्वारा इस योजना में मध्य प्रदेश को वर्ष 2021-22 के लिये 4 लाख 5 हज़ार पथ-विक्रेताओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य दिया गया था। लक्ष्य के विरुद्ध मध्य प्रदेश में 4 लाख 11 हज़ार 481 पथ-विक्रेताओं को 10-10 हज़ार रुपए ब्याज रहित ऋण वितरित किया जा चुका है।
- उल्लेखनीय है कि इस योजना में समय पर 10 हज़ार रुपए का ऋण चुकाने वाले पथ-विक्रेताओं को 20 हज़ार और फिर 50 हज़ार रुपए का ऋण स्वीकृत करने का प्रावधान है।
- आयुक्त, नगरीय प्रशासन और विकास निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में देश में तेलंगाना द्वितीय, उत्तर प्रदेश तृतीय, आंध्र प्रदेश चतुर्थ, कर्नाटक पाँचवें और छत्तीसगढ़ छठवें स्थान पर है।
- पीएम स्वनिधि योजना के प्रथम चरण एक जुलाई, 2020 से मार्च 2021 तक कुल 4 लाख 2 हज़ार शहरी पथ विक्रेताओं को ऋण वितरित करने के लक्ष्य के विरुद्ध 3 लाख 50 हज़ार हितग्राहियों को लाभान्वित कर प्रदेश देश में द्वितीय स्थान पर रहा। प्रदेश में 6 लाख 72 हज़ार शहरी पथ विक्रेताओं को पहचान-पत्र जारी किये गए हैं। इनमें से 5 लाख 41 हज़ार के आवेदन बैंक में प्रस्तुत कर दिये गए हैं।
- योजना का द्वितीय चरण 18 अगस्त, 2021 से शुरू किया गया है। योजना में प्रथम चरण के शहरी पथ विक्रेता, जो 10 हज़ार रुपए का ऋण पूरी तरह चुका देते हैं, वे 20 हज़ार रुपए के ऋण के पात्र हो जाते हैं।
- प्रदेश में इस चरण में 600 पथ विक्रेताओं को 20-20 हज़ार रुपए का ऋण वितरित किया गया है, जबकि पूरे देश में मात्र 1200 हितग्राहियों को ऋण वितरित किये गए हैं। इस तरह से पीएम स्वनिधि द्वितीय चरण के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।
- ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 1 जून, 2020 को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में स्वनिधि योजना को शुरू करने का फैसला लिया गया था। इस योजना के अंतर्गत देश के रेहड़ी-पटरी वालों (छोटे सड़क विक्रेताओं) को अपना खुद का काम नए सिरे से शुरू करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा 10000 रुपए तक का लोन मुहैया कराया जा रहा है। इस स्वनिधि योजना को 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि' के नाम से भी जाना जाता है।

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के प्रायोरिटी कॉरिडोर के आठ मेट्रो रेल स्टेशनों के निर्माण का भूमि-पूजन

चर्चा में क्यों ?

- 19 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एम्स के पास भोपाल मेट्रो रेलवे परियोजना के तहत 426 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से बनने वाले आठ रेलवे स्टेशनों का भूमि-पूजन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- जिन आठ मेट्रो रेल स्टेशनों का भूमि-पूजन हुआ, उनमें एम्स, अलकापुरी, रानी कमलापति, डीआरएम ऑफिस, एमपी नगर, डीबी सिटी, केंद्रीय विद्यालय और सुभाष नगर शामिल हैं। इनकी कुल लागत 426 करोड़ 67 लाख रुपए है।
- इन परियोजना कार्य की लागत में 20 प्रतिशत इक्विटी भारत सरकार, 20 प्रतिशत इक्विटी प्रदेश सरकार तथा शेष 60 प्रतिशत राशि मल्टीलेटरल बैंक से बतौर ऋण ली जा रही है।
- इस परियोजना के प्रायोरिटी कॉरिडोर में एम्स से सुभाष नगर तक नए और पुराने शहर को जोड़ने का कार्य होगा। नागरिक सुविधा को बढ़ाने और पर्यावरण की रक्षा के लिये इस कार्य का विशेष महत्त्व है।
- भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में दो कॉरिडोर हैं। एक पर्पल कॉरिडोर, जिसकी लंबाई 16.74 किलोमीटर होगी। दूसरा रेड कॉरिडोर, जिसकी लंबाई 14.21 किलोमीटर होगी। भूमिगत और एलिवेटेड मेट्रो पर्पल कॉरिडोर भी बनेगा।
- रेड कॉरिडोर में 14 और पर्पल कॉरिडोर में 16 स्टेशन होंगे। स्वचालित किराया संग्रह की व्यवस्था होगी। परियोजना की अनुमानित लागत 6,941 करोड़ 40 लाख रुपए है।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड भोपाल और इंदौर में परियोजना पर कार्य कर रहा है। भोपाल में एम्स से करोंद चौराहा तथा भदभदा चौराहे से रत्नागिरि चौराहे तक दो मेट्रो कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। इनकी लंबाई लगभग 30 किलोमीटर है।
- सितंबर 2023 तक भोपाल में मेट्रो रेल का परिवहन शुरू होगा, जिसका लाखों नागरिकों को लाभ मिलेगा।

28वें निमाड़ उत्सव का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 19 नवंबर, 2021 को संस्कृति, पर्यटन और अध्यात्म मंत्री ऊषा ठाकुर ने महेश्वर में नर्मदा नदी के तट पर कार्तिक पूर्णिमा की चांदनी में 28वें निमाड़ उत्सव का शुभारंभ किया। यह उत्सव 21 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा प्रकाशित चौमासा पत्रिका के 116वें अंक एवं हैंडलूम वॉक के लिये बनाए गए रूट का भी विमोचन किया गया।
- इस अवसर पर मंत्री ऊषा ठाकुर ने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश में श्री रामचरित मानस पर आधारित एक अनोखी और सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके चार विद्यार्थी वर्ग के विजेताओं और 4 सामान्य जन-मानस की श्रेणी के विजेताओं को अयोध्या के हवाई दर्शन कराए जाएंगे।
- उल्लेखनीय है कि निमाड़ उत्सव का आयोजन मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के अंतर्गत जनजाति लोक कला एवं बोली विकास अकादमी व ज़िला पुरातत्त्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद खरगौन द्वारा प्रतिवर्ष जनजातीय लोक एवं पारंपरिक कलाओं में उत्कृष्टता और श्रेष्ठ उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिये किया जाता है।
- इस निमाड़ उत्सव में पहली बार तीन नवीन खेल विधाओं- मलखंब, कयाकिंग और मार्सल आर्ट के डेमो को शामिल किया गया है।
- इस उत्सव के दौरान संस्कृति विभाग द्वारा वर्ष 2017, 2018, 2019 एवं 2020 के राष्ट्रीय तुलसी सम्मान और 2019 एवं 2020 के राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान प्रदान किये गए।
- वर्ष 2017 का राष्ट्रीय तुलसी सम्मान जयपुर के सुप्रतिष्ठित चित्रकार कैलाश चंद शर्मा को, वर्ष 2018 का सम्मान राजनांदगांव के सुप्रतिष्ठित बाँसुरी वादक विक्रम यादव को, वर्ष 2019 का सम्मान रायपुर के ख्यात कबीर गायक डॉ. भारती बंधु को तथा वर्ष 2020 का सम्मान प्रतिष्ठित जनजातीय कलाकार तिलकराम पेंद्राम को प्रदान किया गया।
- वर्ष 2019 का राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान मंडला की जनजातीय कलाकार शांति बाई मरावी को और वर्ष 2020 का सम्मान लखनऊ की अवधी, भोजपुरी एवं बुंदेलखंडी शैली की सुविख्यात लोकगायिका मालिनी अवस्थी को प्रदान किया गया।

नोट :

- राष्ट्रीय तुलसी एवं देवी अहिल्या सम्मान में सम्मानित होने वाले कलाकारों को 2 लाख रुपए की सम्मान राशि, सम्मान पट्टिका एवं शॉल-श्रीफल प्रदान किये गए।
- ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय तुलसी सम्मान की स्थापना वर्ष 1983 में की गई थी। राष्ट्रीय तुलसी सम्मान तीन वर्ष में दो बार प्रदर्शनकारी कलाओं और एक बार रूपंकर कलाओं के लिये दिया जाता है। जनजातीय, लोक एवं पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में महिला कलाकार को सम्मानित करने के लिये राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान की स्थापना वर्ष 1996 में की गई थी।

सेकेंड ट्रेंच लेने वाला पहला राज्य बना मध्य प्रदेश

चर्चा में क्यों ?

- 19 नवंबर, 2021 को भारत सरकार के जल-शक्ति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में मध्य प्रदेश को सेकेंड ट्रेंच में 1279 करोड़ 19 लाख रुपए आवंटित किये गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि कार्य की प्रगति और धनराशि के उपयोग के आधार पर वित्तीय वर्ष 2021-22 में सेकेंड ट्रेंच में अनुदान प्राप्त करने वाला मध्य प्रदेश पहला राज्य है। देश के अन्य किसी राज्य को अभी तक जल जीवन मिशन में सेकेंड ट्रेंच राशि आवंटित नहीं हुई है।
- मई 2021 में प्राप्त फर्स्ट ट्रेंच की राशि और राज्य सरकार द्वारा समान अंशदान सम्मिलित कर मिशन के कार्यों का संचालन किया जा रहा है। मध्य प्रदेश ने फर्स्ट ट्रेंच और राज्य सरकार के समान अंशदान की 80 प्रतिशत राशि व्यय किये जाने के फलस्वरूप केंद्र सरकार से सेकेंड ट्रेंच में राशि उपलब्ध हुई है।
- ग्रामीण आबादी के हर परिवार को नल कनेक्शन के माध्यम से जल उपलब्ध कराने के कार्य जल जीवन मिशन में किये जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के लिये जल जीवन मिशन में केंद्र सरकार से 5,117 करोड़ रुपए की राशि इस वित्तीय वर्ष में स्वीकृत हुई है।
- उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को लाल किले की प्राचीर से जीवन में बदलाव लाने वाले जलजीवन मिशन (Jal Jeevan Mission) की घोषणा की थी। इस मिशन का उद्देश्य 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के पानी का कनेक्शन देना है।
- इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2021 को जल जीवन मिशन ऐप एवं जल जीवन कोष (राष्ट्रीय जल कोष) भी लॉन्च किया था।

हनुवंतिया में जल-महोत्सव 2021-22 का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 20 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खंडवा जिले के पर्यटन स्थल 'हनुवंतिया' में जल-महोत्सव 2021-22 का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हनुवंतिया सिंगापुर के सेंटोसा आइलैंड जैसा सुंदर है। सेंटोसा आइलैंड के भ्रमण के दौरान ही उन्हें हनुवंतिया को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की प्रेरणा मिली थी। यहाँ का गहरा नीला पानी समंदर जैसा है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि हनुवंतिया में सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ ही विभिन्न साहसिक गतिविधियाँ-स्कूबा डायविंग, ज्वाय राइड, हॉट एयर बैलून आदि प्रारंभ की जाएंगी। पर्यटक हेलीकॉप्टर में बैठने का आनंद भी ले सकेंगे।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि निमाड़ क्षेत्र जनजातीय नायकों-टंट्या भील, भीमा नायक, खज्या नायक आदि की गौरव गाथा कहता है। टंट्या मामा ने यहाँ जन्म लिया तथा उनके कड़े यहाँ रखे हैं।

नोट :

- ज्ञातव्य है कि मध्य प्रदेश में टंट्या मामा का बलिदान दिवस 4 दिसंबर को पातालपानी में मनाया जाएगा। इसके पूर्व उनके जन्म स्थान खंडवा ज़िले की पंधाना तहसील के बडदा ग्राम से उसकी पावन मिट्टी का कलश लेकर यात्रा निकाली जाएगी, जो 4 दिसंबर को पातालपानी में संपन्न होगी।
- वन मंत्री विजय शाह ने कहा कि हनुवंतिया क्षेत्र में नर्मदा नदी के विभिन्न टापुओं का पर्यटन की दृष्टि से विकास किया जाएगा। चारखेड़ा में बर्ड वॉचिंग सेंटर एवं नाइट सफारी प्रारंभ किये जा सकते हैं। संत सिंगाजी तीर्थ-स्थल के लिये नाव चलाई जाएगी। यहाँ पानी पर हवाई जहाज़ उतरने की व्यवस्था कर हवाई सेवा भी प्रारंभ की जा सकती है।

इंदौर और भोपाल में लागू होगी पुलिस कमिश्नर प्रणाली

चर्चा में क्यों ?

- 21 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के दो बड़े नगरों-भोपाल और इंदौर में पुलिस आयुक्त प्रणाली (पुलिस कमिश्नर सिस्टम) प्रारंभ करने का निर्णय लिया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश की राजधानी भोपाल और देश के स्वच्छतम शहर व्यावसायिक राजधानी इंदौर में बढ़ती जनसंख्या, भौगोलिक विस्तार और तकनीक के कारण भी उत्पन्न हुई कानून-व्यवस्था संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।
- भोपाल एवं इंदौर के साथ ही प्रदेश में पुलिस और प्रशासन ने मिलकर कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं, लेकिन शहरी जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। भौगोलिक दृष्टि से भी महानगरों का विस्तार हो रहा है। इसलिये कानून और व्यवस्था की कुछ नई समस्याएँ पैदा हो रही हैं। उनके समाधान और अपराधियों पर नियंत्रण के लिये दो नगरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करने का फैसला लिया गया है।
- उल्लेखनीय है कि इंदौर और भोपाल प्रदेश के 2 बड़े महानगर हैं। अपराधियों पर और बेहतर नियंत्रण करने के लिये पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की जा रही है। पहले से अच्छी कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने का कार्य इस प्रणाली से होगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में इंदौर ने पाँचवीं बार लहराया देश में स्वच्छता का परचम

चर्चा में क्यों ?

- 20 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नई दिल्ली में विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ अमृत महोत्सव में स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 के अंतर्गत इंदौर को सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज और देश के सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर का अवार्ड दिया।

प्रमुख बिंदु

- इंदौर ने अपनी बादशाहत बरकरार रखते हुए लगातार पाँचवीं बार देश में स्वच्छता का परचम लहराया है। इंदौर शहर को 5 स्टार शहर का प्रमाणीकरण भी प्राप्त हुआ। इसके साथ ही मध्य प्रदेश को तीसरे सबसे स्वच्छ राज्य का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
- वर्ष 2021 के स्वच्छता सम्मान समारोह में 10 लाख से अधिक आबादी की श्रेणी में देश के 20 टॉप शहरों में मध्य प्रदेश के 4 शहर शामिल हैं। इनमें इंदौर को प्रथम, भोपाल को सातवाँ, ग्वालियर को 15वाँ और जबलपुर को 20वाँ स्थान मिला।
- इसी प्रकार 1 से 10 लाख जनसंख्या के शहरों में पश्चिमी ज़ोन में देश के 100 शहरों में मध्य प्रदेश के 25 शहर, पचास हज़ार से एक लाख आबादी की श्रेणी में देश के 100 शहरों में मध्य प्रदेश के 26 शहर, 25 से 50 हज़ार आबादी की श्रेणी में देश के 100 शहरों में मध्य प्रदेश के 26 शहर और 25 हज़ार से कम आबादी की श्रेणी में देश के 100 शहरों में मध्य प्रदेश के 35 शहर शामिल हैं। इस प्रकार चार जनसंख्या श्रेणियों के प्रथम 100 शहरों में मध्य प्रदेश के 116 शहर शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश को अपने नगरीय निकायों और विभिन्न स्वच्छता प्रक्रियाओं के पालन के लिये 100 नगरीय निकायों से अधिक वाले राज्यों की श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है।

नोट :

- मध्य प्रदेश के 6 शहर इंदौर, भोपाल, उज्जैन, देवास, होशंगाबाद और बड़वाहा तथा पचमढ़ी केन्ट उत्कृष्ट अवार्ड श्रेणी के लिये सम्मानित किये गए। इसके अलावा 27 शहरों ने स्टार रेटिंग प्राप्त की।
- सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में इंदौर के साथ देवास तथा भोपाल ने भी श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है।
- उज्जैन शहर को 1 से 10 लाख आबादी के शहरों में नागरिक प्रतिक्रिया में सर्वश्रेष्ठ शहर का सम्मान मिला है। होशंगाबाद शहर को 1 से 3 लाख जनसंख्या के शहरों में तेज़ी से बढ़ते हुए शहर का सम्मान तथा देवास को इसी श्रेणी के शहरों में नवाचार का सम्मान मिला है।
- भोपाल ने अपना स्व-संवहनीय राजधानी का विगत वर्ष का खिताब बनाए रखा है। साथ ही सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में भोपाल को देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।
- छोटे शहरों की श्रेणी में खरगौन ज़िले के बड़वाहा को ज़ोनल रैंकिंग में सबसे तेज़ी बढ़ते शहर का सम्मान प्राप्त हुआ।
- स्वच्छ सर्वेक्षण में पहली बार प्रेरक दौर का घटक शामिल किया गया था। इसमें प्लेटिनम-दिव्य श्रेणी में 1 शहर इंदौर, गोल्ड-अनुपम श्रेणी में 35 शहर, सिल्वर- उज्ज्वल श्रेणी में 3 शहर और ब्रांज- उदित श्रेणी में 27 शहर, कॉपर आरोही श्रेणी में 4 शहर सहित कुल 70 शहरों को इस घटक में रैंकिंग प्राप्त हुई।
- स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 कुल 6000 अंकों का था, जिसमें सेवा स्तर प्रगति के कुल 2400 अंक थे। ओडीएफ स्टार रेटिंग के प्रमाणीकरण के 1800 अंक मिलाकर प्रदेश को अपना प्रदर्शन बेहतर करना था। नागरिकों की इस सर्वेक्षण में भूमिका बढ़ी थी, जिसका कुल अंक प्रभाव 1800 का था। इसके अलावा सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में प्रदेश के 16 नगर निगमों सहित 2 लाइट हाउस शहर-सीहोर एवं खरगौन शामिल थे।
- हाल में जारी प्रथम फेस के परिणामों में प्रदेश के 10 शहर-इंदौर, भोपाल, उज्जैन, देवास, होशंगाबाद, ग्वालियर, सिंगरौली, मूंदी, बुरहानपुर, राजगढ़ और धार को स्टार रेटिंग प्रमाणीकरण हेतु सम्मानित किया गया है।
- वर्ष-2021 के दौरान प्रदेश के 295 शहर ओडीएफ डबल प्लस और 78 शहर ओडीएफ प्लस प्रमाणित किये गए हैं। इसके अलावा इंदौर को वॉटर प्लस से प्रमाणित होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

जनजातीय गौरव दिवस सप्ताह का समापन

चर्चा में क्यों ?

- 22 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंडला में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस सप्ताह के समापन समारोह में सम्मिलित हुए तथा कार्यक्रम स्थल से 600 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन व अन्य अनेक घोषणाएँ भी की।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 613 करोड़ 30 लाख रुपए की हालोन समूह जल प्रदाय योजना से मंडला ज़िले के 446 गाँवों में पाइप लाइन के माध्यम से पानी पहुँचाया जाएगा। नारायणगंज बीजाडोंडी समूह जल प्रदाय योजना से 182 गाँवों में पानी पहुँचाया जाएगा।
- मंडला में कंप्यूटर कौशल केंद्र-सह-पुस्तकालय का नाम परिवर्तित कर राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह पुस्तकालय तथा महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज मंडला का नाम परिवर्तित कर रानी फूल कंवर पॉलिटेक्निक कॉलेज किया ।
- मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मंडला में मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा, जिसका नाम राजा हृदय शाह मेडिकल कॉलेज होगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मानपुर का नाम टंट्या भील स्वास्थ्य केंद्र होगा। पाताल पानी स्थित टंट्या भील मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम टंट्या भील रेलवे स्टेशन होगा।
- इसके साथ इंदौर स्थित भंवर कुआं चौराहे का नाम टंट्या भील चौराहा तथा इंदौर में एमआर-10 बस स्टैंड का नाम टंट्या भील बस स्टैंड करने की घोषणा की।
- इसके अलावा जो जनजातीय विद्यार्थी प्रदेश के विभिन्न संभागों में अध्ययन के लिये जाते हैं, उनकी समस्याओं के समाधान हेतु संभाग स्तर पर संभागीय सुविधा केंद्र खोले जाएंगे।

नोट :

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बैगा योजना का मंच से डिजिटल शुभारंभ किया। योजना में बैगा समुदाय के सभी व्यक्तियों का घर-घर सर्वे कर उन्हें शासन की सभी संबंधित योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री ने बैगा संस्कृति पर प्रकाशित पुस्तक 'मैं बैगा हूँ'का विमोचन भी किया।

ऊर्जा साक्षरता अभियान

चर्चा में क्यों ?

23 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश के सभी नागरिकों को ऊर्जा साक्षर बनाने के लिये प्रदेश स्तर पर 'ऊर्जा साक्षरता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को ऊर्जा बचत की जानकारी दी जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए राज्य सरकार द्वारा 'ऊर्जा साक्षरता अभियान प्रारंभ किया जा रहा है।
- ऊर्जा साक्षरता अभियान में प्रदेश के सभी नागरिकों को समयबद्ध कार्य-योजना के अनुसार ऊर्जा साक्षर बनाने के प्रयास किये जाएँगे।
- इसमें जन-सामान्य में ऊर्जा के व्यय एवं अपव्यय की समझ विकसित करना, ऊर्जा के पारंपरिक एवं वैकल्पिक साधनों की जानकारी देना एवं उनका पर्यावरण पर प्रभाव की समझ पैदा करना, ऊर्जा एवं ऊर्जा के उपयोग के बारे में सार्थक संवाद, ऊर्जा संरक्षण एवं प्रबंधन के बारे में जागरूकता, ऊर्जा उपयोग के प्रभावों, परिणामों की समझ के आधार पर इसके दक्ष उपयोग हेतु निर्णय लेने की दक्षता उत्पन्न करना, पर्यावरणीय जोखिम एवं जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को कम करना और विभिन्न ऊर्जा तकनीकों के चयन हेतु सक्षम बनाना जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी।
- इस अनूठे अभियान के माध्यम से स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों तथा जन-साधारण को ऊर्जा और ऊर्जा की बचत के विषय में जानकारी दी जाएगी।
- इस अभियान को एक मिशन के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा।

मत्स्य-उत्पादन के क्षेत्र में बालाघाट का देश में प्रथम स्थान

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के बालाघाट ज़िले को मत्स्य विकास क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये देश में प्रथम स्थान मिला है।

प्रमुख बिंदु

- ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में विश्व मत्स्य दिवस (21 नवंबर) पर बालाघाट ज़िले को प्रथम पुरस्कार दिया गया। सर्वे में देश के 70 ज़िले शामिल थे।
- भारत सरकार द्वारा पुरस्कार स्वरूप 3 लाख रुपए और मोमेंटो प्रदान किया गया। संचालक मत्स्योद्योग भरत सिंह तथा उप संचालक मत्स्योद्योग बालाघाट शशि प्रभा ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।
- भरत सिंह ने बताया कि आर.ए.एस., बायोफ्लाक, केज एवं महिलाओं तथा बच्चों की आर्थिक उन्नति के लिये उत्कृष्ट कार्य करने हेतु बेस्ट इनलेंड स्टेट का पुरस्कार बालाघाट ज़िले को मिला है।
- बालाघाट द्वारा विगत तीन वर्षों में 2 फीड मिल, 23 रिटेल मार्केट, 2 कियोस्क, 10 बायोफ्लाक, 280 टू-व्हीलर्स, 5 थ्री व्हीलर्स, 160 केज कल्चर आदि वितरित/स्थापित कराए गए हैं। पी.एम.एम.एस.वाई योजना में 2288 एवं बचत-सह-राहत योजना में 7292 हितग्राहियों को लाभ पहुँचाया गया है।

नोट :

आईआईएसएफ-2021 कर्टेन रेजर का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

23 नवंबर, 2021 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2021 के कर्टेन रेजर का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस उत्सव का आयोजन मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।
- इस बार यह महोत्सव वर्चुअल और प्रत्यक्ष, दोनों मोड पर आयोजित होगा। इस उत्सव में स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान को भी रेखांकित किया जाएगा।
- मध्य प्रदेश विज्ञान परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि यह एशिया का सबसे बड़ा विज्ञान उत्सव है।
- विज्ञान उत्सव के पाँच स्तंभ हैं- फ्रीडम स्ट्रगल (इसमें स्वाधीनता संघर्ष से जुड़े भारतीय वैज्ञानिकों से परिचित कराया जाएगा), आइडियाज एट सेवंटी फाइव (इसमें युवाओं से नए विचार आमंत्रित किये गए हैं), अचीवमेंट्स एट सेवंटी फॉइव (इसमें 75 वर्षों की उपलब्धियों से अवगत कराया जाएगा), एक्शन एट सेवंटी फॉइव (इसमें नए भारत की 75 कार्य-योजनाएँ होंगी) रिजाल्व्स एट सेवंटी फाइव (इसमें आत्मनिर्भर भारत के लिये 75 संकल्प होंगे)।
- परिषद के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. राकेश कुमार आर्य ने आईआईएसएफ 2021 पर प्रेजेंटेशन में बताया कि 7वाँ विज्ञान महोत्सव 10-13 दिसंबर तक पणजी में होगा। इसमें साइंस फिल्म और साइंस लिटरेचर फेस्टिवल सहित 12 कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा मेगा साइंस एंड टेक्नोलॉजी एक्सपो प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

64वीं राष्ट्रीय शूटिंग (रायफल) चैंपियनशिप-2021 का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 25 नवंबर, 2021 को मध्य प्रदेश की खेल एवं युवा कल्याण मंत्रीयशोधरा राजे सिंधिया और मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने 64वीं राष्ट्रीय शूटिंग (रायफल) चैंपियनशिप का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता का आयोजन मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी, बिसनखेड़ी (गोरागांव), भोपाल में खेल और युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय राष्ट्रीय रायफल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।
- चैंपियनशिप में 10 मीटर और 50 मीटर के मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में रायफल के पुरुष खिलाड़ियों की संख्या 2202 तथा महिला खिलाड़ियों की संख्या 1301 है। चैंपियनशिप में 18 साल से कम पुरुष खिलाड़ियों की संख्या 706 तथा महिला खिलाड़ियों की संख्या 504 है।
- चैंपियनशिप में ओलंपिक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भागीदारी कर रहे हैं। इनमें 6 अर्जुन अवार्डी भी शामिल हैं। इसमें देश की कुल 41 यूनिट के खिलाड़ी शामिल हैं।
- इस चैंपियनशिप से शीर्ष 8 खिलाड़ियों को चुना जाएगा, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- प्रतियोगिता में मेज़बान मध्य प्रदेश का 256 सदस्यीय दल भागीदारी कर रहा है। सबसे बड़ा दल महाराष्ट्र का (518 सदस्य) है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश से 440, राजस्थान 368, हरियाणा 344 और पंजाब से 221 खिलाड़ी हिस्सेदारी कर रहे हैं। चैंपियनशिप में 70 स्वर्ण पदक दाँव पर होंगे।
- मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी पूर्णत: वातानुकूलित है तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता को दृष्टिगत रखते हुए तैयार की गई है। इसमें 50 मीटर की 60 लेन, 10 मी. की 70 लेन और 25 मी. की 50 लेन हैं। वही ट्रैप शूटिंग की 3 लेन तैयार की गई हैं।
- मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी, भोपाल में 50 मीटर शूटिंग रेंज और ट्रैप एंड स्कीट की तीन रेंज निर्मित की गई हैं। 50 मीटर रेंज में 50 लेन बनाई गई हैं। यह विश्वस्तरीय शूटिंग रेंज है और इसे हाई परफार्मेंस सेंटर के रूप में विकसित किया गया है।

नोट :

संस्कृति विभाग के प्रतिष्ठित सम्मानों की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

- 24 नवंबर, 2021 को मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग ने वर्ष 2019 और 2020 के लिये राष्ट्रीय कबीर सम्मान, कालिदास सम्मान, अशोक कुमार सम्मान, लता मंगेशकर सम्मान, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, इकबाल सम्मान, शरद जोशी सम्मान, नानाजी देशमुख सम्मान, कुमार गंधर्व सम्मान और अन्य शिखर सम्मानों की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश की पर्यटन, संस्कृति और अध्यात्म मंत्री ऊषा ठाकुर ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन साहित्य, संस्कृति, सिनेमा, सामाजिक समरसता, सद्भाव आदि बहुआयामी क्षेत्रों में उत्कृष्टता, सृजनात्मकता और बहुउल्लेखीय योगदान को सम्मानित करने के लिये देश में प्रतिष्ठित है।
- वर्तमान में संस्कृति विभाग द्वारा बहुआयामी विधाओं के क्षेत्र में 23 राष्ट्रीय और 9 राज्य सम्मान प्रदान किये जाते हैं।
- वर्ष 2019 और 2020 के लिये घोषित सम्मान, सम्मान राशि और अनुशंसित संस्था/साहित्यकार/लेखक/कलाकार हैं-
  - राष्ट्रीय कबीर सम्मान (3 लाख रुपए)- डॉ. बिनय राजाराम (भोपाल) और मनोज श्रीवास्तव (भोपाल)
  - कालिदास सम्मान (शास्त्रीय संगीत) (2 लाख रुपए)- पं. अभय नारायण मलिक (नोएडा) और पं. भजन सोपोरी (दिल्ली)
  - कालिदास सम्मान (शास्त्रीय नृत्य) (2 लाख रुपए)- सुनयना हज़ारीलाल (मुंबई) और शांता-वी.पी. धनंजयन (चेन्नई)
  - कालिदास सम्मान (रूपंकर कलाएँ) (2 लाख रुपए)- परमजीत सिंह (दिल्ली) और ध्रुव मिस्त्री (बड़ौदा)
  - कालिदास सम्मान (रंगकर्म) (2 लाख रुपए)- डॉ. अनिल रस्तोगी (लखनऊ) और वामन केंद्रे (मुंबई)
  - मैथिलीशरण गुप्त सम्मान (2 लाख रुपए)- डॉ. शिवकुमार तिवारी (जबलपुर) और डॉ. सच्चिदानंद जोशी (नई दिल्ली)
  - किशोर कुमार सम्मान (2 लाख रुपए)- अशोक मिश्रा (मुंबई) और अमिताभ भटोचार्य (मुंबई)
  - लता मंगेशकर सम्मान (2 लाख रुपए)- शैलेंद्र सिंह (मुंबई) और आनंद-मिलिंद (मुंबई)
  - इकबाल सम्मान (2 लाख रुपए) - जकिया मसहदी (पटना) और प्रो. अली अहमद फातमी (प्रयागराज)
  - शरद जोशी सम्मान (2 लाख रुपए) - कैलाश मण्डलेकर (हरदा) और विजय मनोहर तिवारी (भोपाल)
  - नानाजी देशमुख सम्मान (2 लाख रुपए) - नर्मदा (खरगौन) और गौमुखी सेवा धाम (कोरबा)
  - कुमार गंधर्व सम्मान (1.25 लाख रुपए) - मीता पंडित (दिल्ली) और सुचिस्मिता-देबोप्रिया (ठाणे, महाराष्ट्र)
  - शिखर सम्मान (हिन्दी साहित्य) (1 लाख रुपए) - शैवाल सत्यार्थी (ग्वालियर) और हरी जोशी (भोपाल)
  - शिखर सम्मान (उर्दू साहित्य) (1 लाख रुपए) - नईम कौसर (भोपाल) और देवी शरण (भोपाल)
  - शिखर सम्मान (संस्कृत साहित्य) (1 लाख रुपए)- प्रो. रामेश्वर प्रसार गुप्त (दतिया) और प्रो. रासबिहारी द्विवेदी (जबलपुर)
  - शिखर सम्मान (रूपंकर कलाएँ) (1 लाख रुपए) - देवीलाल पाटीदार(भोपाल) और मनीष पुष्कले (भोपाल/दिल्ली)
  - शिखर सम्मान (नाटक) (1 लाख रुपए) - वैशाली गुप्ता (भोपाल) और के.जी. त्रिवेदी(भोपाल)
  - शिखर सम्मान (नृत्य) (1 लाख रुपए) - चन्द्रमाधव बारीक (भोपाल) और अल्पना वाजपेयी (भोपाल)
  - शिखर सम्मान (संगीत) (1 लाख रुपए) - पं. प्रभाकर लक्ष्मण गोहदकर (ग्वालियर) और पं. सज्जनलाल ब्रम्हभटे (भोपाल)
  - शिखर सम्मान (जनजातीय एवं लोक कलाएँ) (1 लाख रुपए) - अग्नेश केरकेटो (भोपाल) और पूर्णिमा चतुर्वेदी (भोपाल)
  - शिखर सम्मान (दुर्लभ वाद्य वादन) (1 लाख रुपए) - बाबूलाल भोला (सागर) और डॉ. वर्षा अग्रवाल (इंदौर)

नोट :

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे -5 में मध्य प्रदेश की उल्लेखनीय प्रगति

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 के आँकड़ों में प्रदेश ने वर्ष 2015-16 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-4 के मुकाबले अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है।

प्रमुख बिंदु

- नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में शिशु लिंगानुपात बेहतर होकर वर्ष 2020-21 में 956 पर पहुँच गया है, जबकि वर्ष 2015-16 में यह 927 थी। वहीं कुल लिंगानुपात में भी सुधार हुआ है। वर्ष 2015 -16 में यह 948 थीं जो बढ़कर अब 970 हो गया है।
- एनएफएचएस-5 के आँकड़ों में प्रदेश में 5 वर्ष तक आयु वर्ग के बच्चों में सभी प्रकार के कुपोषण की दरों में कमी आई है। प्रदेश में एनएफएचएस-4 वर्ष 2015-16 की तुलना में सर्वे-5 में राष्ट्रीय औसत से भी अधिक सुधार हुआ है।
- प्रदेश में विभागीय योजनाओं के समन्वित एवं प्रभावी क्रियान्वयन से अति गंभीर कुपोषण दर में 29.3 प्रतिशत की कमी आई है। देश के अन्य प्रदेशों की तुलना में मध्य प्रदेश की स्थिति में 13 रैंक का सुधार हुआ है। इस सर्वे में मध्य प्रदेश 30वें स्थान से 17वें स्थान पर आ गया है। जहाँ देश में अति गंभीर कुपोषण दर 2.7 प्रतिशत बढ़ा है, वहीं मध्य प्रदेश में 29.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज़ हुई है।दुबलेपन (वेस्टिंग) में प्रदेश अन्य राज्यों में सुधार के क्रम में तीसरे स्थान पर है। देश में 8.1 प्रतिशत का सुधार हुआ है, जबकि मध्य प्रदेश में 26.4 प्रतिशत का सुधार हुआ है। एनएफएचएस-4 में प्रदेश 32वें स्थान पर था, जो अब 24वें स्थान पर आ गया है।
- कम वज़न (अंडरवेट) श्रेणी में सुधार में प्रदेश देश में द्वितीय स्थान पर है। देश में 10.3 प्रतिशत का सुधार हुआ है, जबकि मध्य प्रदेश में 22.9 प्रतिशत का सुधार हुआ है। एनएफएचएस-4 में प्रदेश 33वें स्थान पर था, अब 31वें स्थान पर आ गया है।
- ठिगनेपन (स्टंटिंग) में अधिकतम सुधार करने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश छठवें नंबर पर है। देश में 7.8 प्रतिशत का सुधार हुआ है, जबकि प्रदेश में 15 प्रतिशत का सुधार हुआ है। एनएफएचएस-4 में प्रदेश 32वें स्थान पर था, जो अब 30वें स्थान पर आ गया है।
- बाल विवाह की दर में देश में 13.1 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि मध्य प्रदेश में 28.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।
- इसके अतिरिक्त जन्म के समय लिंगानुपात में देश में 1.1 प्रतिशत का सुधार हुआ, जबकि मध्य प्रदेश में 3.1 प्रतिशत का सुधार दर्ज़ हुआ है।

मध्यप्रदेश में स्थापित होंगे 1500 मेगावाट के तीन सौर ऊर्जा प्लांट

चर्चा में क्यों ?

- 25, नवंबर, 2021, को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय ऊर्जा और नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने शाजापुर में 5250 करोड़ रुपए की लागत के 1500 मेगावाट क्षमता वाले आगर, शाजापुर और नीमच के सौर ऊर्जा पार्क के क्रय अनुबंध पर चयनित विकासकों के साथ हस्ताक्षर कर भूमि-पूजन किया।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम और सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) की संयुक्त कंपनी रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा प्रदेश में आगर (550 मेगावाट), शाजापुर (450 मेगावाट) और नीमच (500 मेगावाट) में सौर परियोजनाएँ विकसित की जा रही हैं।
- 1500 मेगावाट की इन सौर परियोजनाओं में आगर ज़िले में 550 मेगावाट की 2 यूनिट (350+200), शाजापुर ज़िले में 450 मेगावाट की 3 यूनिट (105+220+125) और नीमच ज़िले में 500 मेगावाट की क्षमता की 3 यूनिट (170+160+170 मेगावाट) स्थापित की जाएंगी। इन परियोजनाओं में मार्च 2023 से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो जाएगा।
- परियोजना स्थापना के दौरान तकरीबन 4500 और परियोजना संचालन में लगभग 450 व्यक्तियों को रोज़गार मिलेगा। सौर ऊर्जा से विद्युत प्रारंभ होने से राज्य डिस्काम कंपनी को 25 सालों में लगभग 7600 करोड़ रुपए की बचत होगी।

नोट :

- इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा उत्थान महाअभियान योजना-'अ' (प्रधानमंत्री 'कुसुम-अ') योजना में किसानों और विकासकों का प्रदेश की विद्युत वितरण कंपनी के साथ ऊर्जा क्रय अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किये गए।
- किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्म-निर्भर बनाने में सहायक हो रही इस योजना में किसान अपनी अनुपयोगी भूमि पर 500 किलोवाट से 2 मेगावाट तक की क्षमता के अक्षय ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर सकेंगे। किसान यह ऊर्जा प्रदेश की विद्युत वितरण कंपनी को बेच भी सकेंगे। संयंत्र स्थापना के लिये पर्याप्त धनराशि न होने पर किसान अपनी भूमि को विकासकों को लीज पर देकर संयंत्र स्थापित कर सकेंगे।
- इस योजना में केंद्र शासन द्वारा प्रदेश को कुल 300 मेगावाट का लक्ष्य आवंटित किया गया है। लक्ष्य के विरुद्ध प्रदेश में प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया के माध्यम से अब तक 296 मेगावाट क्षमता के लिये 140 किसान और विकासकों का चयन सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना के लिये किया गया है।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ऊर्जा के क्षेत्र में जन-जागरूकता के उद्देश्य से चलाए जाने वाले ऊर्जा साक्षरता अभियान 'ऊषा'का शुभारंभ किया। इस अभियान में मध्य प्रदेश के छात्र-छात्राओं और नागरिकों को ऊर्जा और सौर ऊर्जा के प्रति जागरूक करने के साथ ही विभिन्न लाभों के बारे में बताया जाएगा। श्रेणीगत प्रशिक्षण के माध्यम से इसमें चरणबद्ध सर्टिफिकेशन का भी प्रावधान किया गया है।

राज्यस्तरीय तकनीकी समिति पुनर्गठित

चर्चा में क्यों ?

- 26 नवंबर, 2021 को नगरीय विकास के कार्यों में तेज़ी लाने के उद्देश्य से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह के निर्देश पर नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा राज्यस्तरीय तकनीकी समिति का पुनर्गठन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- राज्यस्तरीय तकनीकी समिति के अध्यक्ष प्रमुख अभियंता/मुख्य अभियंता संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास होंगे। इस समिति के सदस्य सचिव अधीक्षण यंत्री/कार्यपालन यंत्री संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास होंगे।
- इस समिति में प्रमुख अभियंता मध्य प्रदेश अर्बन डेवहलपमेंट कंपनी लिमिटेड अथवा नामांकित तकनीकी अधिकारी, परियोजना निदेशक मध्य प्रदेश जल निगम अथवा नामांकित तकनीकी अधिकारी, मुख्य अभियंता लोक निर्माण अथवा नामांकित तकनीकी अधिकारी, संबंधित नगरीय निकाय के संभाग के अधीक्षण यंत्री/कार्यपालन यंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास, संबंधित नगरीय निकाय के आयुक्त/मुख्य नगर पालिका अधिकारी और विशेष आमंत्रित विषय विशेषज्ञ सदस्य होंगे।
- राज्यस्तरीय तकनीकी समिति के कार्यक्षेत्र में यूआईडीएसएसएमटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना, राज्य आपदा शमन मद (SMDF), राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री शहरी अधो-संरचना विकास योजना और केंद्र एवं राज्य सहायतित अन्य योजनाएँ जैसा कि राज्य शासन द्वारा विहित किया जाए, शामिल होंगी।

मिंटो हॉल का नाम बदलने की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

- 26 नवंबर, 2021 को आयोजित हुई भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित चर्चित ऐतिहासिक भवन मिंटो हॉल का नाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे के नाम पर करने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- इससे पूर्व मिंटो हॉल का नाम बदलकर डॉक्टर हरिसिंह गौर करने की मांग उठी थी। भारत की आज़ादी के बाद और मध्य प्रदेश के बनने के बाद इस बिल्डिंग का इस्तेमाल राज्य विधानसभा हॉल के तौर पर होता था। वर्ष 2018 में इस हॉल को कन्वेंशन सेंटर के रूप में बदल दिया गया था। इसमें रेस्टोरेंट और बार भी हैं।

नोट :

- ज्ञातव्य है कि मिंटो हॉल को साल 1909 में नवाब सुल्तान जहान बेगम ने बनवाया था। बताया जाता है कि जहान बेगम भोपाल की अंतिम बेगम थीं। उन्होंने इस हॉल का नाम 'मिंटो हॉल'लॉर्ड मिंटो को सम्मान देने के लिये रखा था।
- कुशाभाऊ ठाकरे का जन्म 15 अगस्त, 1922 में मध्य प्रदेश के धार ज़िले में हुआ था। उनकी शिक्षा-दीक्षा भी ग्वालियर और धार में हुई थी।
- सन् 1942 से कुशाभाऊ ठाकरे संघ से जुड़े। वह 1942 में नीमच के प्रचारक बने थे और 1956 में जनसंघ के गठन के बाद संगठन सचिव बने। वर्ष 1977 में ठाकरे मध्य प्रदेश जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे तथा वर्ष 1998 से 2000 तक भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे। 28 दिसंबर, 2003 को कुशाभाऊ ठाकरे का निधन हो गया।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्य प्रदेश मंडप को कांस्य पदक मिला

चर्चा में क्यों ?

- 27 नवंबर, 2021 को दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के 40वें संस्करण के समापन समारोह में मध्य प्रदेश के मंडप को कांस्य पदक मिला।

प्रमुख बिंदु

- अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रदेश को पदक प्रदान किया। प्रदेश सरकार की ओर से लघु उद्योग निगम के उप मुख्य महाप्रबंधक बीएन तिवारी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम तथा आइटी पार्क प्रभारी अजय मलिक ने पदक प्राप्त किया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न से प्रेरित यह मेला 14 से 27 नवंबर, 2021 तक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) के नव-निर्मित हॉल तथा नई दिल्ली के प्रगति मैदान के वर्तमान हॉल में भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के समारोह 'आज़ादी का अमृत महोत्सव'के एक हिस्से के रूप में भी आयोजित किया गया।
- इस वर्ष भारतीय अंतर्राष्ट्रीय मेले का आयोजन भारत व्यापार संवर्धन संगठन द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत'थीम पर किया गया था।
- इस मेले में मध्य प्रदेश मंडप भी 'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश'थीम के तहत प्रदर्शित किया गया। मध्य प्रदेश के मंडप में आगंतुकों को यह जानने का अवसर भी मिला कि आत्मनिर्भर बनता मध्य प्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में किस तरह प्रगति कर रहा है। इसमें भौतिक अधोसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य और शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रोज़गार, पर्यटन, कला और शिल्प, महिला अधिकारिता, कौशल विकास, एमएसएमई, स्मार्ट सिटी, कृषि-क्षेत्र और बागवानी आदि विषय शामिल थे।
- इसके अतिरिक्त आज़ादी के अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में भोपाल का 'शौर्य स्मारक' भी है, जो मध्य प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि है। मंडप में आगंतुक प्रदेश के भोजन, संस्कृति, संगीत और विरासत से भी रुबरु हुए।
- मध्य प्रदेश मंडप में अतीत को भविष्य की शानदार क्षमता के साथ भी जोड़ा गया। मंडप उस तस्वीर को भी प्रस्तुत कर रहा था कि कैसे प्रौद्योगिकी और आईटीईएस, सिंगापुर के सहयोग से भोपाल में स्थापित हो रहे मेगा स्किल डेवलपमेंट पार्क से मध्य प्रदेश में बदलाव आएगा।
- मंडप में मध्य प्रदेश के सभी ज़िलों के प्रमुख उत्पादों को 'एक जिला-एक उत्पाद'के तहत प्रस्तुत किया गया। महिला स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार कोदो-कुटकी संसाधित भोजन प्रस्तुत किये गए।
- मध्य प्रदेश शासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से मध्य प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम द्वारा व्यापारियों और निवेशकों को प्रदेश में स्थापित आइटी पार्कों में निवेश के संबंध में ऑडियो-वीडियो फिल्मों के माध्यम से जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना

चर्चा में क्यों ?

- 29 नवंबर, 2021 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा प्रदेश के युवाओं के लिये स्वयं का उद्योग, सेवा या व्यवसाय स्थापित करने हेतु 'मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना'शुरू की गई।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विभाग के सचिव पी. नरहरि ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में योजना का प्रस्तुतीकरण किया।
- इस नई योजना में विनिर्माण इकाई और उद्यम स्थापित करने वाले युवाओं को 1 लाख से 50 लाख रुपए, जबकि सेवा क्षेत्र के लिये 1 लाख से 25 लाख रुपए तक का लोन दिया जाएगा।
- मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ केवल नवीन उद्यमों की स्थापना के लिये मिलेगा। योजना के प्रावधान सभी वर्गों के आवेदकों के लिये समान रहेंगे। इस योजना में वित्तीय सहायता के लिये आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष तथा शैक्षणिक योग्यता के रूप में आवेदक का न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।
- परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिये। पात्रता उन्हीं आवेदकों को होगी, जो स्वयं किसी बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था के डिफाल्टर न हों। इसी तरह आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केंद्र सरकार की किसी अन्य स्व-रोज़गार योजना का हितग्राही न हो।
- इस योजना में वित्तीय सहायता में ब्याज अनुदान योजनांतर्गत सभी वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित शेष ऋण पर 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान, अधिकतम 7 वर्षों तक मोरेटोरियम अवधि सहित दिया जाएगा।
- जिस अवधि के दौरान हितग्राही का ऋण खाता एन.पी.ए. बना रहता है, उस अवधि के लिये कोई ब्याज अनुदान स्वीकार्य नहीं होगा। ब्याज अनुदान की राशि प्रतिपूर्ति वार्षिक आधार पर दी जाएगी।
- योजना में गारंटी फीस प्रचलित दर से अधिकतम 7 वर्षों तक मोरेटोरियम अवधि सहित दी जाएगी। योजना का क्रियान्वयन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा किया जाएगा। इस योजना का क्रियान्वयन समेकित पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

The Vision

नोट :